

सुन लो <sup>sss</sup> आज-आज मेरे राम ॥2॥  
 पीर पराई जाननहारे  
 न कर तू विश्राम

भक्तन के हित हरि रखवारे  
 श्यामल रूप - स्वरूपों बारे  
 बिकते <sup>sss</sup> प्रेमही दाम ॥2॥

सुन लो-----

करमन दोष न देखे अपने  
 देखे-हसने-झूठे सपने  
 किया नहीं, शुभ काम ॥2॥

सुन लो-----

अँखियों में दो आँसू लेकर  
 खुद से हारा-हार ये लेकर  
 पहुँचा <sup>ssss</sup> तेरे धाम ॥2॥

सुन लो-----

आनंद कंद "श्रीबाबाश्री" सुखरासी  
 दुनियाँ है चरणों की दासी  
 न्यारे <sup>ssss</sup> तेरे काम ॥2॥

सुन लो-----